an>

Title: The Speaker made references to the passing away of Shri Jujhar Singh, member, 8th Lok Sabha; Shri P. Viswambharan, member, 4th Lok Sabha; Smt. Kishori Sinha, member, 7th and 8th Lok Sabhas; Shri Sundar Lal Patwa, member, 11th and 13th Lok Sabhas; Shri Balasaheb Vikhe Patil, member 5th to 9th and 12th to 14th Lok Sabhas; Shri Manku Ram Sodhi, member, 8th to 10th Lok Sabhas; and Shri Surjit Singh Barnala, member, 6th, 11th and 12th Lok Sabhas. Madem Speaker also made references to the loss of lives in many accidents in the country.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को हमारे सात पूर्व सदस्यों श्री जुझार सिंह, श्री पी. विश्वम्भरण, श्रीमती किशोरी सिन्हा, श्री सुन्दर लाल पटवा, श्री बालासाहेब विखे पाटिल, श्री मनकु राम सोढ़ी और श्री सुरजीत सिंह बरनाला के दुःखद निधन के बारे में सूचित करना है।

श्री जुझार सिंह राजस्थान की झालावाड़ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से आठवीं लोक सभा के सदस्य थे।

वह विशेÂषाधिकार समिति के सदस्य थे।

पूर्व में, श्री जुझार सिंह चार बार राजस्थान विधान सभा के सदस्य थे और उन्होंने वÂर्ष 1972 से 1977 तक राजस्थान सरकार में मंत्री के रूप में कार्य किया।

श्री जुझार सिंह का 96 वÂर्ष की आयु में कोटा, राजस्थान में 1 दिसम्बर, 2016 को निधन हो गया।

श्री पी. विश्वम्भरण केरल के तिरूवेन्द्रम, वर्तमान में तिरूवनन्तपुरम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चौथी लोक सभा के सदस्य थे।

श्री विश्वम्भरण लोक लेखा समिति के सदस्य थे।

श्री पी. विश्वम्भरण वÂर्ष 1954 से 1956 तक तत्कालीन त्रावणकोर कोचीन विधान सभा के सदस्य और वÂर्ष 1960 से 1964 तक केरल विधान सभा के सदस्य भी थे।

उन्होंने एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया।

श्री पी. विश्वम्भरण का 91 वÂर्ष की आयु में 9 दिसम्बर, 2016 को वेल्लार, केरल में निधन हो गया।

श्रीमती किशोरी सिन्हा बिहार के वैशाली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सातवीं और आठवीं लोक सभा की सदस्य थीं।

वह आठवीं लोक सभा के दौरान सभा की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधी समिति की सदस्य थीं।

श्रीमती सिन्हा ने महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अथक कार्य किया।

श्रीमती किशोरी सिन्हा का 91 वÂर्ष की आयु में 19 दिसम्बर, 2016 को पटना, बिहार में निधन हो गया।

श्री सुन्दर लाल पटवा मध्य प्रदेश के छिन्दवाड़ा और होशंगाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों से क्रमशः ग्यारहवीं और तेरहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री पटवा दो बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। वह वÂर्ष 1999 से 2001 तक केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृÂिष, रसायन और उर्वरक तथा खान मंत्री भी थे।

श्री पटवा सात बार मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे और उन्होंने मध्य प्रदेश विधान सभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया।

श्री सुन्दर लाल पटवा का निधन 92 वÂर्ष की आयु में 28 दिसम्बर, 2016 को भोपाल में हो गया।

श्री बालासाहेब विखे पाटिल महाराÂष्ट्र के कोपरगांव और अहमदनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों से पांचवीं से नौवीं लोक सभा और बारहवीं से चौदहवीं लोक सभा के सदस्य थे। श्री पाटिल आठवीं, नौवीं और चौदहवीं लोक सभा के दौरान क्रमशः याचिका समिति, कृÂिष संबंधी समिति और रक्षा संबंधी समिति के सदस्य थे। वह अपने लम्बे और उल्लेखनीय संसदीय जीवन के दौरान विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य भी रहे।

श्री पाटिल वÂर्ष 2002 से 2003 तक केन्द्रीय भारी उद्योग तथा लोक उद्यम मंत्री तथा वÂर्ष 1999 से 2002 तक केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री भी रहे।

उन्हें सामाजिक कार्य के लिए वÂर्ष 2010 में पद्म भूÂषण पुरस्कार दिया गया।

श्री बालासाहेब विखे पाटिल का निधन 84 वÂर्ष की आयु में 30 दिसम्बर, 2016 को लोनी बदरक, महाराÂष्ट्र में हो गया।

श्री मनकु राम सोढ़ी मध्य प्रदेश के बस्तर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, जो अब छत्तीसगढ़ में है, से आठवीं से दसवीं लोक सभा के सदस्य थे। वह आठवीं लोक सभा के दौरान संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते संबंधी संयुक्त समिति तथा दसवीं लोक सभा के दौरान रेल संबंधी समिति के सदस्य थे।

पूर्व में, श्री सोढ़ी पांच बार मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य थे और उन्होंने वÂर्ष 1981 से 1984 तक मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

श्री मनकु राम सोढ़ी का निधन 82 वÂर्ष की आयु में 10 जनवरी, 2017 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में हुआ।

श्री सुरजीत सिंह बरनाला पंजाब के संगरूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से छठी, ग्यारहवीं और बारहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री बरनाला वÂर्ष 1985 से 1987 तक पंजाब के मुख्यमंत्री थे। वह वÂर्ष 1977 से 1979 तक केन्द्रीय कृÂिष और सिंचाई मंत्री, वÂर्ष 1998 से 1999 तक केन्द्रीय रसायन और उर्वरक तथा खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्री भी रहे।

श्री बरनाला तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और उत्तराखंड के राज्यपाल थे। वह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा पुदुच्चेरी के उपराज्यपाल भी रहे।

श्री बरनाला तीन बार पंजाब विधान सभा के भी सदस्य थे और उन्होंने पंजाब सरकार में मंत्री के रूप में कार्य किया।

स्वतंत्रता सेनानी श्री बरनाला ने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया था।

श्री सुरजीत सिंह बरनाला का निधन 91 वÂर्ष की आयु में 14 जनवरी, 2017 को चंडीगढ़ में हुआ।

हम अपने पूर्व सहयोगियों के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि सभा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करेगी।

माननीय सदस्यगण, 14 जनवरी, 2017 को पटना के पास गंगा नदी में यात्रियों को लेकर जा रही एक नाव के उलट जाने से 26 व्यक्तियों को मारे जाने की सूचना है।

एक अन्य दुःखद घटना में, 19 जनवरी, 2017 को उत्तर प्रदेश के एटा जिले में ट्रक द्वारा एक स्कूल बस में टक्कर मारे जाने से 18 बच्चों सहित 30 व्यक्तियों की मृत होने की भी खबर है और 50 से अधिक व्यक्तियों के घायल होने की सूचना है।

एक अन्य दुर्घटना में, 21 जनवरी, 2017 को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम् जिले में जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखण्ड एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण लगभग 41 व्यक्तियों के मारे जाने और 65 से अधिक के घायल होने की सूचना है।

माननीय सदस्यगण, एक प्राकृतिक आपदा में, 25 जनवरी, 2017 को जम्मू-कश्मीर में गुरेज और सोनमर्ग के काफी ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चार हिमस्खलनों में अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार 16 सैनिकों सहित 20 व्यक्तियों के मारे जाने की सूचना है।

सभा इन दुःखद घटनाओं, जिनके कारण शोक संतप्त परिवारों को दुःख और पीड़ा हुई है, पर गहन शोक व्यक्त करती है और घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वास्थ्य-लाभ की कामना करती है।

अब सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर मौन रहेगी।

12.50 hours

(The Members then stood in silence for a short while.)